हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम0ए0 प्रथम सत्र	प्रथम प्रश्नपत्र	प्राचीन काव्य (अनिवार्य)
एम0ए0 प्रथम सत्र	द्वितीय प्रश्नपत्र	सगुण एवं रीतिकाव्य (खण्ड 'क' अनिवार्य)
एम0ए0 प्रथम सत्र	तृतीय प्रश्नपत्र	आधुनिक हिन्दी काव्य (खण्ड क अनिवार्य)
एम0ए0 प्रथम सत्र	चतुर्थ प्रश्नपत्र	आधुनिक गद्य साहित्य (निबन्ध एवं नाट्य साहित्य, अनिवार्य)
एम0ए0 प्रथम सत्र	पंचम प्रश्नपत्र	भारतीय काव्यशास्त्र (अनिवार्य)
एम0ए0 द्वितीय सत्र	प्रथम प्रश्नपत्र	निर्गुण काव्य (अनिवार्य)
एम0ए0 द्वितीय सत्र	द्वितीय प्रश्नपत्र	सगुण एवं रीतिकाव्य (खण्ड 'ख' अनिवार्य)
एम0ए0 द्वितीय सत्र	तृतीय प्रश्नपत्र	आधुनिक हिन्दी काव्य (खण्ड 'ख' अनिवार्य)
एम0ए0 द्वितीय सत्र	चतुर्थ प्रश्नपत्र	कथा साहित्य (अनिवार्य)
एम0ए0 द्वितीय सत्र	पंचम प्रश्नपत्र	क. पाश्चात्य काव्यशास्त्र ख. हिन्दी आलोचना एवं आलोचक (अनिवार्य)
एम0ए0 तृतीय सत्र	प्रथम प्रश्नपत्र	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
एम0ए0 तृतीय सत्र	द्वितीय प्रश्नपत्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड 'क')
एम0ए0 तृतीय सत्र	तृतीय प्रश्नपत्र	लोक साहित्य : अवधारणा एवं इतिहास
एम0ए0 तृतीय सत्र	चतुर्थ प्रश्नपत्र	प्रयोजनमूलक हिन्दी, हिन्दी के विविध रूप एवं सूचना संजाल
एम0ए0 तृतीय सत्र	पंचम प्रश्नपत्र	शोध आलेख / निबन्ध
एम0ए0 चतुर्थ सत्र	प्रथम प्रश्नपत्र	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी व्याकरण
एम0ए0 चतुर्थ सत्र	द्वितीय प्रश्नपत्र	हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड 'ख')
एम0ए0 चतुर्थ सत्र	तृतीय प्रश्नपत्र	लोक साहित्य की विधायें एवं लोकभाषा
एम0ए0 चतुर्थ सत्र	चतुर्थ प्रश्नपत्र	पत्रकारिता एवं अनुवाद सिद्धान्त
एम0ए0 चतुर्थ सत्र	पंचम प्रश्नपत्र	मौखिकी

एम0ए0 : प्रथम सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन काव्य (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या	8 x 3 = 24
आलोचनात्मक	6 x 3 = 18
लघुउत्तरीय प्रष्न	4 x 2 = 8

पाठ्यग्रन्थ

1. पृथ्वीराज रासो – पद्मावती समय सम्पादक –
डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नामवर सिंह
2. कीर्तिलता – प्रथम पल्लव, सम्पादक डॉ0 अवधेश प्रधान
3. विद्यापति (कुल बीस पद – नन्दकनन्दन, देख देख, खने खने नयन, चॉुद सार लये , ससन परस, महजहि आनन, सरस बसन्त, बिरह व्याकुल, एधनि, गगनक चॉद, सुपुरूष प्रेम, अभिनव, पल्लव, नव वृन्दावन, सखि हे हमर, सजनी कानुक, सजनी के कह, विपत अयत, लोचन धाए, लोचन नीर, अनुखन)

सहायक ग्रन्थ :

1. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कीर्तिलता और अवहट्ट – डॉ0 शिव प्रसाद सिंह
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशक – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
4. चन्दबरदायी और उनका काव्य – डॉ0 बिपिन बिहारी त्रिवेदी।

एम0ए0 : प्रथम सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – द्वितीय प्रश्नपत्र
सगुण एवं रीतिकाव्य (खण्ड 'क' अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या 8 x 3 = 24

आलोचनात्मक प्रश्न 6 x 3 = 18

लघुउत्तरीय प्रष्न 4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तक

1. सूरदास – भ्रमर गीत सार – सं0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   पद संख्या – 21 से 70 तक
2. बिहारी – कुल 65 दोहे
   पाठ्य पुस्तक – बिहारी वैभव – सं0 डॉ0 लक्ष्मी सिंह, डॉ0 पूनम श्रीवास्तव

भक्ति :

1. मेरी भवबाधा हरौ –
2. या अनुरागी चित्त की –
3. सीस –मुकुट कटि काछनी –
4. करौ कुबत जग कुटिलता –
5. दूरि भजत प्रभु पीठि दै –
6. मकराकृति गोपाल कै –
7. मैं समुच्योनिराधार –
8. सोहत ओड़े पीत पद –

संयोग श्रृंगार –

1. अपने अंग के जानि के –
2. सालति है नटसाल सी –
3. जोग – जुगति सिख –
4. झीने पट में झीलमुली –
5. तो पर वारो –

एम0ए0 : प्रथम सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – तृतीय प्रश्नपत्र
आधुनिक हिन्दी काव्य (खण्ड 'क' अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या 8 x 3 = 24

आलोचनात्मक प्रश्न 6 x 3 = 18

लघुउत्तरीय प्रष्न 4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तक

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
3. अज्ञेय : असाध्यवीजा

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र
2. पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त : रामधारी सिंह 'दिनकर'
3. जयशंकर प्रसाद : नंद दुलारे वाजपेयी
4. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. सार सप्तक , दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक – सं0 अज्ञेय
6. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा

एम0ए0 : प्रथम सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –चतुर्थ प्रश्नपत्र
आधुनिक गद्य साहित्य (अनिवार्य) निबन्ध एवं नाट्य साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या	8 x 3 = 24
आलोचनात्मक प्रश्न	6 x 3 = 18
लघुउत्तरीय प्रष्न	4 x 2 = 8

1. निबन्ध
    1. कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
    2. कविता क्या है – रामचन्द्र शुक्ल
    3. अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
    4. गेहूँ बनाम गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी
    5. शेफाली झर रही है – विद्या निवास मिश्र
    6. सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता एवं सामाजिक विकास – राम विलास
    7. निषाद बॉसुरी – कुबेरनाथ राय

. पाठ्य पुस्तक – निबन्धायन – सं0 डॉ0 अर्चना सिंह

2. नाटक
    1. चन्द्र गुप्त – जयशंकर प्रसाद
    2. आधे – अधूरे – मोहन राकेश

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
2. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन
3. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद

एम0ए0 : प्रथम सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – पंचम प्रश्नपत्र
भारतीय काव्यशास्त्र (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रश्न 5 x 4 = 20

पाठ्य पुस्तक

1. भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य के प्रकार।
2. रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पादित और साधारणीकरण।
3. अलंकार सिद्धान्त : प्रमुख आचार्य, मूल स्थपनाएं, वर्गीकरण
4. रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, रीति के भेद
5. वक्रोकित सिद्धान्त : अवधारणा और भेद
6. ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि के भेद
7. औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद
8. रूपक एवं उपरूपक, गुण

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 बच्चन सिंह
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य शिव प्रसाद द्विवेदी

एम0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – प्रथम प्रश्नपत्र
निर्गुण काव्य (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या	8 x 3 = 24
आलोचनात्मक प्रश्न	6 x 3 = 18
लघुउत्तरीय प्रष्न	4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तक :

1. कबीर वाणी पीयूष : सं0 जयदेव सिंह एवं वासुदेव सिंह
   (सुमिरन को अंग, विरह को अंग, ग्यान विरह को अंग, परचा को अंग)
2. पद्मावत : सं0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, ना0प्र0सभा, वाराणसी।
   (सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, नरवशिख खण्ड, मानसरोदक खण्ड)

सहायक ग्रन्थ :'

1. कबीर बीजक की भाषा : डॉ0 शुकदेव सिंह, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी।
2. जायसी – विजय देव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
3. सूफी साधना और साहित्य : डॉ0 राम पूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल।
4. मध्यकालीन धर्म साधना : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन प्रा0लि0, इलाहाबाद।
5. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्याम सुन्दर शुक्ल
6. कबीर साहित्य, साधना और पंथ – डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय बुक सेण्टर, वाराणसी।
7. कबीर मीमांशा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी

एम0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –द्वितीय प्रश्नपत्र
सगुण एवं रीतिकाव्य (खण्ड – 'ख')

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या 8 x 3 = 24

आलोचनात्मक प्रश्न 6 x 3 = 18

लघुउत्तरीय प्रष्न 4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तकें :

1. रामचरित मानस का उत्तर काण्ड – तुलसीदास

   दोहा संख्या – 103 से 130 तक।

2. घनानन्द – कुल 25 निम्नलिखित कविता

   पाठ्य पुस्तक – घनानन्द सं0 डॉ0 लक्ष्मी सिंह, डॉ0 पूनम श्रीवास्तव

   1. झलकै अति सुन्दर आनन गौर .....
   2. भोर से सॉझ लौ कानन ओर .....
   3. मीत सुजान अनीत करौ सिन .....
   4. तब तो छबि पीवत जीवत है .....
   5. पहिले अपनाय सुजान सनेहु सों .....
   6. घनआनन्द जीवन मूल सुजान की .....
   7. जेते घट सोधे पै न पॉऊ .....
   8. आसा – गुन बॉधि के भरोसे .....
   9. अन्तर ऑच उसास तपै .....
   10. चातिक चुहल चहॅ ओर चाहै .....
   11. नैनन मे लागै जाय जागै सु करेजे बीच .....
   12. पाती–मधि छाती – छत लिखि न लिखाएं .....
   13. चंद चकोर की चाह करै घनआनन्द .....
   14. सुखनि समाज साज सजे तित .....
   15. सुध ते स्रवंत विष, फूल मैं जमत सूल .....
   16. मरिबो बिसराम गनै वह तौ .....
   17. मुरझाने सबै अंग रह्मौ न तनक रंग .....
   18. ए रे वीर पौन, तेरो सब ओर गौर .....
   19. घन ही घर चौचॅद चॉचरि दै .....
   20. अति सूधे सनेह को मारग है .....

एम0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर (सत्र)

हिन्दी – तृतीय प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी काव्य (खण्ड – 'ख' अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या	8 x 3 = 24
आलोचनात्मक प्रश्न	6 x 3 = 18
लघुउत्तरीय प्रष्न	4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तकें :

1. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – राम की शक्तिपूजा वनबेला, सरोज स्मृति।
2. सुमित्रा नन्दन पंत – परिवर्तन (6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 19, 20) एकतारा ।
3. मुक्तिबोध – 'अंधेरे में'

पाठ्य पुस्तकें :

1. राग विराग
2. तारा पथ
3. चॉद का मुह टेड़ा है

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. छायावाद –नामवर सिंह
2. क्रान्तिकारी कवि निराला – बच्च सिंह
3. निराला आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
4. निराला ही साहित्य साधना (तीन खण्डो में) – रामविलास शर्मा
5. प्रसाद, निराला, अज्ञेय – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. मुक्तिबोध– ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल
7. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
8. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह

एम0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – चतुर्थ प्रश्नपत्र
कथा साहित्य (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

व्याख्या 8 x 3 = 24

आलोचनात्मक प्रश्न 6 x 3 = 18

लघुउत्तरीय प्रष्न 4 x 2 = 8

पाठ्य पुस्तकें :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. तेभ्यःस्वधा : डॉ0 नीरजा माधव

कहानी :

1. कफ़न : प्रेमचन्द
2. पत्नी : जैनेन्द्र
3. रोज : अज्ञेय
4. गुल की बन्नो : धर्मवीर भारती
5. परिन्दे : निर्मल वर्मा
6. एक और जिन्दगी : मोहन राकेश

पाठ्य पुस्तकें :

1. प्रेमचन्द और उनका युग – राम विलास शर्मा
2. प्रेमचन्द – कलम का सिपाही – अमृत राय
3. प्रेमचन्द घर में – शिवरानी देवी
4. हिन्दी उपन्यास – विशेषतः प्रेमचन्द – नलिन विलोचन शर्मा
5. प्रेमचन्द – मदन गोपाल
6. कहानी – नयी कहानी – नामवर सिंह
7. नई कहानी – सन्दर्भ और प्रकृति – सं0 देवीशंकर अवस्थी।

एम0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – पंचम प्रश्नपत्र
खण्ड 'क' : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
खण्ड 'ख' : हिन्दी आलोचना और आलोचक

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

खण्ड 'क' : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. प्लेटो – काव्य सिद्धान्त
2. अरस्तु – अनुकरण का सिद्धान्त, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धान्त
3. टी.एस.इलियट – परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकला का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
4. आई.ए.रिचर्ड्स – व्यावहारिक आलोचना।
5. सिद्धान्त और वाद – स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

खण्ड 'ख' : हिन्दी आलोचना और आलोचक

1. आ0 रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र एवं डॉ0 रामविलास शर्मा

सहायक ग्रन्थ :

1. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धान्त और परिदृश्य – डॉ0 नगेन्द्र
2. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन : डॉ0 निर्मला जैन
3. पश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : डॉ0 रामपूजन तिवारी
5. आलोचक और आलोचना : डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी

एम0ए0 : तृतीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – प्रथम प्रश्नपत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

नोट : दोनों खण्डों से दो – दो प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

पाठ्य विषय :

खण्ड – 'क'

1. भाषा एवं भाषा विज्ञान, भाषा का स्वरूप एवं उसकी परिभाषा, तत्व एवं विशेषताएं (संरचनागत एवं स्वभावगत), भाषा एवं बोली में अन्तर। भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण एवं दिशाएं । भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं प्रकृति, अध्ययन पद्धतियॉ क्षेत्र एवं शाखाऍ।
2. ध्वनि विज्ञान : ध्वनि का स्वरूप, वर्गीकरण, मानस्वर ध्वनि परिवर्तन की दिशाऍ एवं कारण, ध्वनिग्राम।
3. अर्थ विज्ञान : शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाऍ एवं अर्थ परिवर्तन के कारण।

खण्ड – 'ख'

1. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण।
   हिन्दी की उपभाषाएं – परिश्मी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताऍ
2. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। सम्पर्क भाषा, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी, समस्याऍ और उनका समाधान।

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भाषा विज्ञान : भोला नाथ तिवारी
4. सामान्य भाषा विज्ञान : श्रीवास्तव, तिवारी, गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास : उदय नारायण तिवारी, भारतीय भण्डार, इलाहाबाद।

एम0ए0 : तृतीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – द्वितीय प्रश्नपत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड 'क')

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

पाठ्य विषय :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास वः काल विभाजन, नामकरण एवं सीमा निर्धारण।
2. आदिकाल की परिस्थितियॉ, प्रवृत्तियॉ, (सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो काव्य) विशेषताएं, महत्व, प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएं)
3. (क) पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की परिस्थितियॉ। सांस्कृतिक चेतना, भक्ति आन्दोलन : विभिन्न काव्य धाराएं, वैशिष्ट्य एवं महत्व। प्रमुख निर्गुण संत कवि, सम्प्रदाय और उनका अवदान, भारत में सूफी मत का विकास एवं प्रमुख सूफी कवि और काव्य।

   (ख) राम काव्य, कृष्ण काव्य, रामकृष्णेत्तर काव्य, अन्य प्रमुख कवि और रचनाएं वैशिष्ट्य।
4. रीतिकाल : परिस्थितयां, नामकरण, लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त (प्रमुख प्रवृत्तियां, विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ0 वासुदेव सिंह
5. हिन्दी साहित्य : एक परिचय – डॉ0 त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

एम0ए0 : तृतीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –तृतीय प्रश्नपत्र
लोक साहित्य : अवधारणा एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

पाठ्य विषय :

1. लोक संस्कृति : अवधारणा, लोकवार्ता, लोक संस्कृति, लोक साहित्य।
2. हिन्दी साहित्य में लोक तत्व, शिष्ट साहित्य का लोक साहित्य से सम्बन्ध एवं अन्तर।

   भारत में लोक साहित्य का इतिहास और अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।

   लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं।

सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र
3. भारतीय लोक साहित्य : डॉ0 श्याम परमार
4. लोक साहित्य के प्रतिमा : डॉ0 कुन्दन लाल उत्प्रीति।

एम0ए0 : तृतीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी – चतुर्थ प्रश्नपत्र
हिन्दी के विविध रूप एवं सूचना संजाल

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

1. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343–351), राजभाषा नियम 1976.
2. पत्राचार के विविध रूप – पत्र, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश। अनुस्मारक पत्र, अर्धश्याासकीय पत्र, तार, प्रेसनोट, कूटपत्र, निविदा, प्रशासनिक हिन्दी के प्रमुख अभिलक्षण, विशेषताएं।
3. संक्षेपण – अर्थ, प्रविधि और महत्व।
4. पल्लवन – अर्थ, प्रविधि और महत्व।
5. टिप्पणी – अर्थ, प्रकार और महत्व।
6. पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ, प्रकार और महतव, निर्माण के प्रमुख सिद्धान्त।
7. कम्प्यूटर एवं सूचना संजाल
    1. कम्प्यूटर – परिचय, महतव, कम्प्यूटर की पीढ़ियां, कम्प्यूटर के प्रकार।
    2. सूचना संजाल – परिभाषा, प्रकार, महत्व।
    3. सूचना संजाल के माध्यम टेलेक्स, वायरलेस, फैक्स, ई–मेल, इण्टरनेट का सामान्य परिचय एवं क्रिया कलाप।

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी : डॉ0 कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली ।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी : रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
3. संचार क्रान्ति एवं विश्व जन माध्यम : डॉ0 प्रेमचन्द पातंजलि, डॉ0 अनिल, अंकित भारत बुक सेण्टर, लखनऊ।

एम0ए0 : तृतीय सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –पंचम प्रश्नपत्र
शोध आलेख / निबन्ध

पूर्णांक : 50

विभाग की अनुमति से एम0ए0 तृतीय सत्र में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली संस्थागत छात्राएं ही शोध आलेख का चयन कर सकती हैं।

नोट : शोध आलेख टंकित 30–50 पृष्ठों का होगा।

निबन्ध लेखन :

केवल एक निबन्ध 50 अंक का होगा।

सम्बन्धित विषय :

1. साहित्य का स्वरूप, उद्देश्य और साहित्यकार का दायित्व।
2. हिन्दी साहित्य के किसी एक काल की विशेषता।
3. कोई एक विशिष्ट साहित्यकार।
4. हिन्दी भाषा – राष्ट्र भाषा और राजभाषा।
5. काव्यशास्त्र एवं समीक्षा सिद्धान्त
6. लोक साहित्य

एम0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –प्रथम प्रश्नपत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी व्याकरण

पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

पाठ्य विषय :

खण्ड 'क'

1. रूप विज्ञान : संबंध तत्व, अर्थ तत्व, सम्बन्ध तत्व के भेद, स्वरूप एवं रूप परिवर्तन के कारण।
2. वाक्य विज्ञान : स्वरूप एवं भेद। वाक्य विश्लेरूषण, निकटस्थ अवयव, आन्तरिक संरचना और वाह्य संरचना।
3. शैली विज्ञान : शैली विज्ञान का स्वरूप, काव्यभाषा और सामान्य भाषा में अन्तर, शैली और शैली विज्ञान का स्वरूप, शैली विज्ञान के प्रमुख निकष –' चयन, विचलन, समानन्तरता, अप्रस्तुत विधान।

खण्ड – 'ख'

1. हिन्दी के यसर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं परसर्ग का परिचय। हिन्दी के लिंग, वचन, उपसर्ग एवं प्रत्यय का सामान्य परिचय।
2. देवनागरी लिपि : नामकरण, विकास, वैज्ञानिकता तथा मानकीकरण।

सहायक गन्थ :

1. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. समसामयिक हिन्दी में रूपस्वानिमीकी : डॉ0 सुधाकर सिंह
3. भाषा विज्ञान : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. भारतीय भाषा शास्त्र के सूत्रधार : रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी।

एम0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –द्वितीय प्रश्नपत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड 'ख')

पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

पाठ्य विषय :

1. आधुनिक काल : परिस्थितियॉ, पुनर्जागरण
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं और विशेषताएं
3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और विशेषताएं
4. हिन्दी साहित्य में स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास, छायावादी काव्य, कवि, रचनाएं एवं वैशिष्ट्य
5. छायावादोत्तर रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (उपन्यास, कहानी, निबन्ध, नाटक, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, यात्रावृत्त, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, आदि) का संक्षिप्त परिचय।
6. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारती प्रकाशन।
3. हिन्दी साहित्य, बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय सेण्टर, गोलघर, वाराणसी।
5. साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ0 मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली ।
6. दूसरी परम्परा की खोज : डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

एम0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –तृतीय प्रश्नपत्र
लोक साहित्य की विधाएं एवं लोकभाषा

पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

पाठ्य विषय :

1. लोक साहित्य की प्रमुख विधाएं और वर्गीकरण – लोकगीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नृत्य – नाट्य, लोक संगीत।
2. लोक भाषा : सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियां आदि।

सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ0 कुन्दन लाल उप्रेती।
3. लोक साहित्य का वृहद इतिहास : नागरिका प्रचारिणी सभा, काशी।
4. लोकवार्ता – सं0 कृष्ण नन्दन गुप्त ।

एम0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –चतुर्थ प्रश्नपत्र
पत्रकारिता एवं अनुवाद सिद्धान्त

पूर्णांक : 50

अंक विभाजन

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 x 3 = 30

लघुउत्तरीय प्रष्न 5 x 4 = 20

1. पत्राकारिता

क. स्वरूप एवं प्रकार

ख. हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

ग. समाचार का स्वरूप एवं संरचना – आमुख, शीर्षक एवं शेष रचना।

घ. समाचार लेखन के गुण एवं व्यावहारिका सावधानियॉ

2 प्रेस रिपोर्ट का स्वरूप, उत्तम प्रेस रिपोर्ट के गुण, प्रेस रिपोर्ट के स्रोत एवं प्रकार।

3. विज्ञापन – परिभाषा, विज्ञापन लेखन के गुण, महत्व।

4. क. प्रेस सम्बन्धित वैधानिक प्रावधानों का संक्षिप्त परिचय।

ख. संपादन के गुण।

ग. संपादकीय लेखन।

घ. पृष्ठ सज्जा, प्रूफ संशोधन।

ड. साक्षात्कार, फीचर, पत्रकार वार्ता

च. प्रेस प्रबन्धन

5. मीडिया लेखन

क. संचार की अवधारणा एवं प्रक्रिया,संचार का महत्व

ख. विभिन्न जनसंचार माध्यमों के प्रकार – मुद्रण, दृश्य – श्रव्य माध्यम रेडियो, समाचार लेखन एवं वाचन, उद्घोषणा लेखन, उद्घोषक के गुण, भाषा की प्रकृति, रेडियो का भारत में विकास एवं महत्व।

ग. दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य,

पटकथा लेखन, संवाद लेखन, फिल्म एवं टेलीविजन का भारत में विकास का महत्व।

6. अनुवाद एवं सिद्धान्त व्यवहार :

क. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, महत्व।

ख. अनुवाद के प्रकार – पूर्ण अनुवाद एवं सार अनुवाद।

ग. अनुवादकम के गुण, अनुवादक की कठिनाइयां।

घ. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

ड. वैधानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद।

च. कार्यालयीय अनुवाद : कार्यालयीय एवं प्रशासनिक शब्दावली, पदनाम, विभाग आदि।

छ. द्विभाषिया : अभिप्राय, क्षेत्र, महत्व।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास : अम्बिका प्रसाद वाजपेयी।
2. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र
3. अनुवाद विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. कार्यालयीय अनुवाद की समस्याएं : भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएं : डॉ0 रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ0 कैलाश भाटिया

एम0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर (सत्र)
हिन्दी –पंचम् प्रश्नपत्र
मौखिकी

पूर्णांक : 50

इसमें 50 अंक की मौखिकी परीक्षा होगी जो सभी छात्राओं के लिए अनिवार्य है।